Read India
An imprint of Pratham Books

हम बाज़ार गये

मीरा तेंडोलकर

Original Story (Marathi) Baazaar
by Meera Tendolkar
© Pratham Books 2004
Fourth Hindi Edition: 2008

Illustrations: Rijuta Ghate & Santosh Pujari
Hindi Translation: Pratham Books Team

ISBN: 81-8263-050-9

Registered Office:
PRATHAM BOOKS
633-634, 4th 'C' Main, 6th 'B' Cross,
OMBR Layout, Banaswadi, Bangalore 560 043
✆ 080-25429726 / 27 / 28

Regional Offices:
Mumbai ✆ 022-65162526,
New Delhi ✆ 011-65684113

Typesetting and Layout by: Trimiti Services

Printed by: Manipal Press, Manipal

Published by PRATHAM BOOKS
www.prathambooks.org

The development of this book was sponsored by
Dubai Creek Round Table, Dubai, U.A.E.

Some rights reserved. This book is CC-BY-3.0 licensed.
Full terms of use and attribution available at:
http://www.prathambooks.org/cc

हम बाज़ार गये

लेखिका
मीरा तेंडोलकर
चित्रांकन
ऋजुता घाटे
संतोष पुजारी
हिंदी अनुवाद
प्रथम पुस्तक समूह

मेरी माँ मुझे बाज़ार ले जाती हैं।
बहुत सी दुकानें हैं
बहुत से लोग हैं।
कुछ लोग खरीददारी करते हैं।
कुछ लोग बस देखते हैं।
मेरी माँ क्या करेंगी?

चंद्रकला
जगन
चप्पल मार्ट
नरेश
NEW

पहले हम राशन की दुकान गये।
माँ ने गेहूँ, चावल, चीनी और दालें खरीदीं।
हम राशन के लिये झोला साथ नहीं लाये।
दुकानदार राशन घर भिजवा देगा।

10%
छूट
नया
RIN

इसके बाद माँ सब्ज़ी की दुकान पर रुकती हैं।
मैंने पूछा, ''क्या तुम सब्ज़ी खरीदोगी?'' माँ ने कहा, ''नहीं।''
सब्ज़ी वाली चिल्लाती है, ''आओ आओ खरीदो, सब्ज़ियाँ ताज़ी हैं।''

माँ यहाँ क्यों रुक गयीं?

अरे, यह तो तेल की दुकान है।

दुकान में तेल की महक भरी है।

माँ दुकानदार से शिकायत करती है, ''तेल बहुत महँगा है।''

दुकानदार को अच्छा नहीं लगा।

रसिका
शुद्ध
खोबरेल तेल
राई तेल
शेंग दाणा तेल
पाम तेल
OILDEPOT

अब हम मछली के बाज़ार में पहुँचे।

कुछ लोग मछली की गन्ध पसंद नहीं करते।

मुझे मछली बहुत अच्छी लगती हैं।

देखो! मछुआरिन कैसे कपड़े पहनती हैं।

क्या तुम्हें मोटी बिल्लियाँ दिख रही हैं?

वे वहाँ बस आराम करती हैं, मछली खा-खाकर मोटी हो रही हैं।

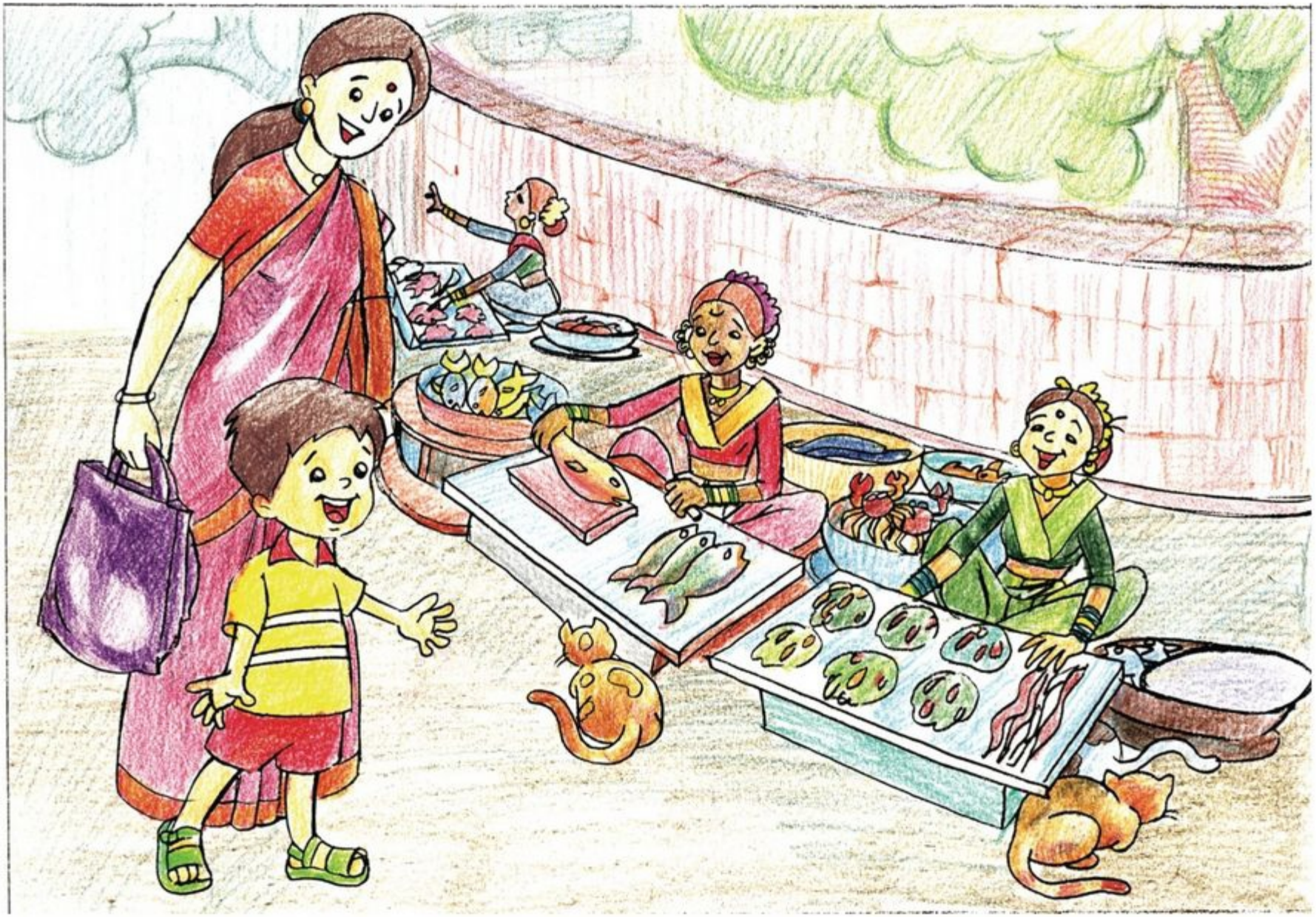

हम डेयरी पर रुके। माँ ने थोड़ा घी और पनीर खरीदा।
ये आइस्क्रीम क्यों नहीं रखते? मुझे बहुत पसन्द है।
तुम्हें क्या लगता है, मेरी माँ मुझे आइस्क्रीम दिलायेंगी?

दूध
MILK-

''क्या तुम कुछ बरतन खरीदोगी?'' मैंने माँ से पूछा।
बरतन वाले की दुकान में कोई नहीं है।
जब कोई शादी या त्यौहार होता है,
लोग तब बरतन खरीदते हैं।

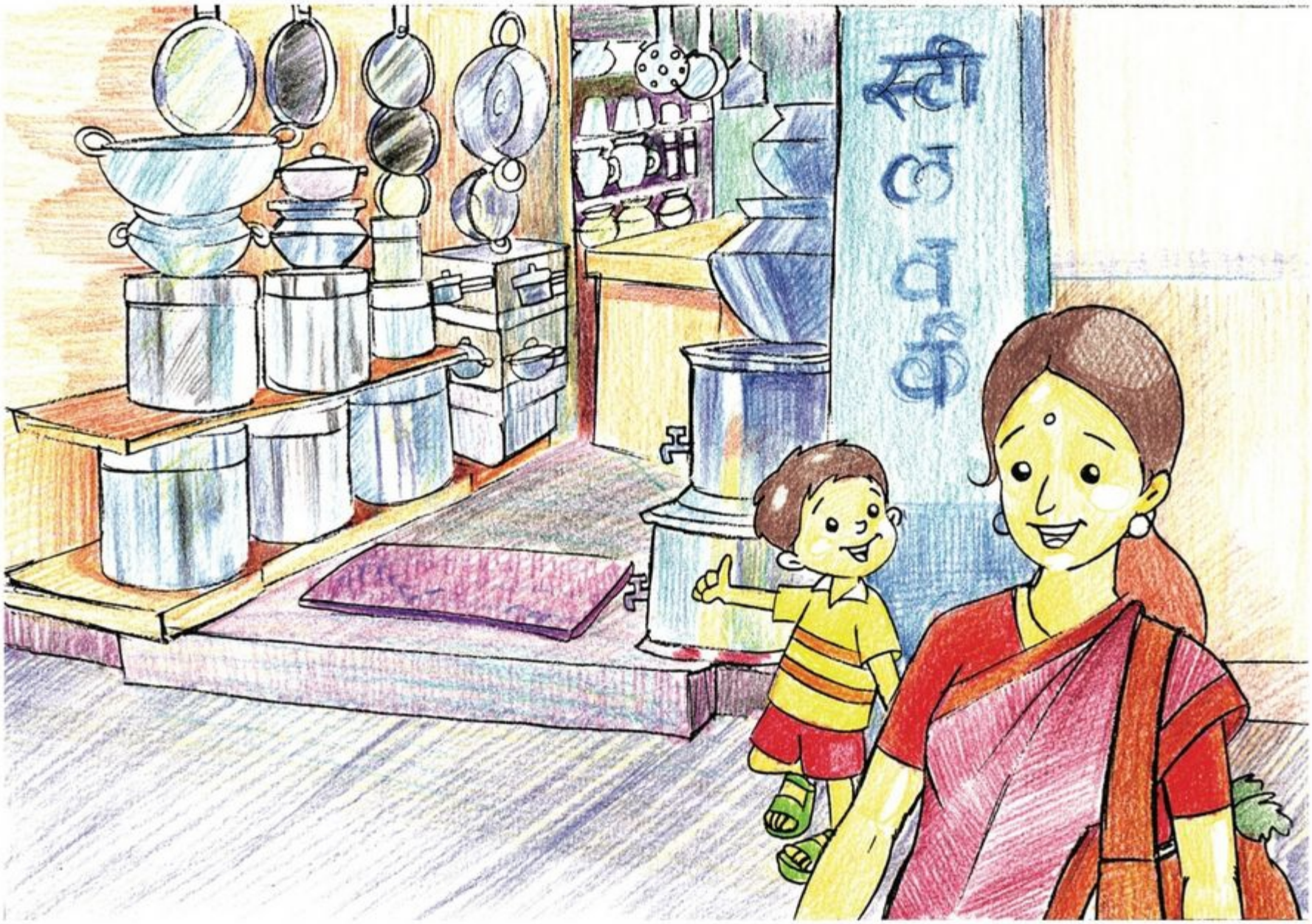

स्टील वर्क

रुको, ‘‘अरे माँ!!! इस दुकान में मत जाओ,’’ मैंने ज़ोर से कहा।
मेरी माँ को कपड़े की दुकान अच्छी लगती है।
दुकानदार उन्हें बहुत सी साड़ियाँ दिखाता है।
लेकिन वह एक भी नहीं खरीदतीं।

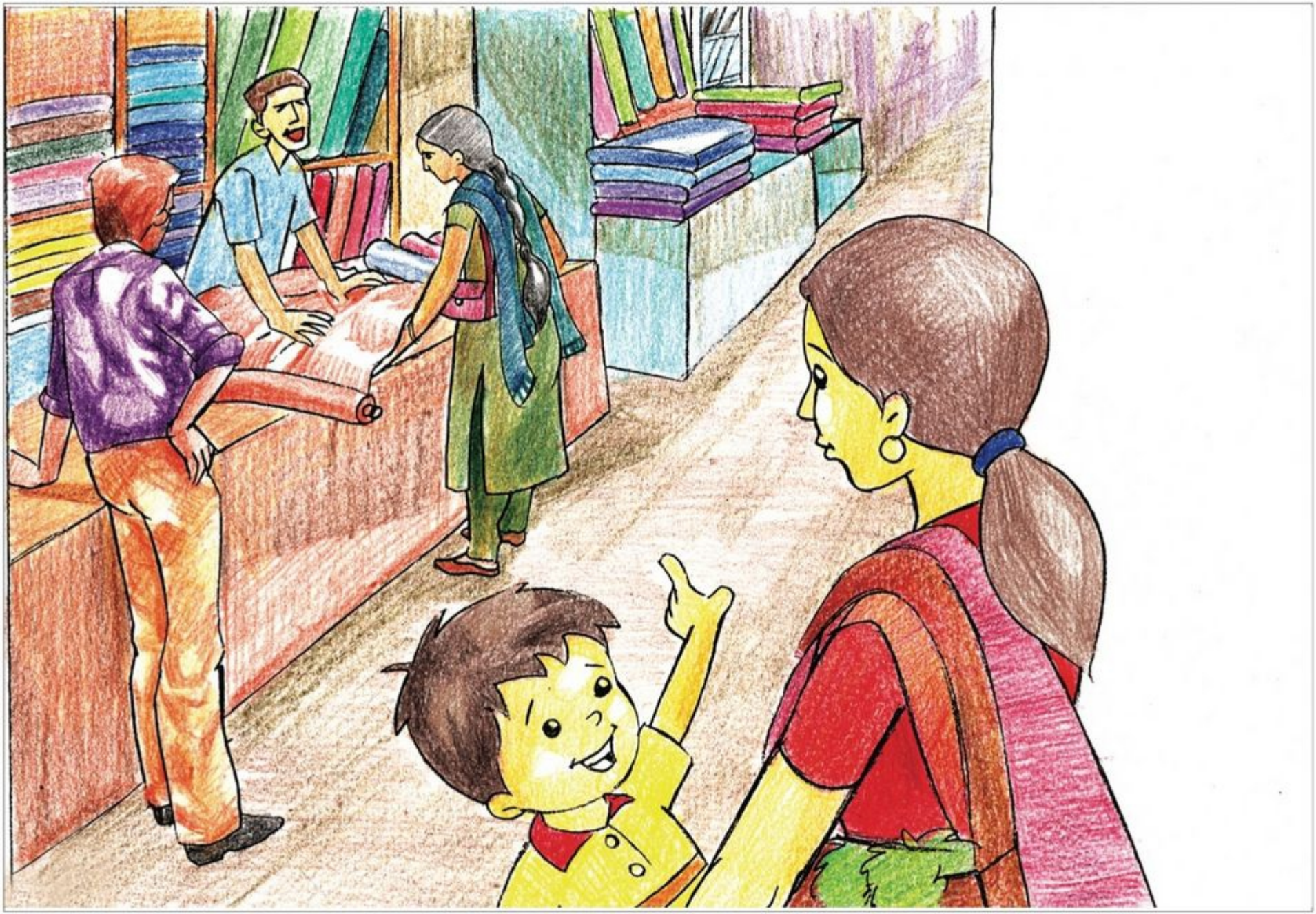

मुझे बस यही चाहिये था! खिलौने की दुकान!

भालू कितना बड़ा है!

मुझे यह स्कूटर चाहिये, और यह खिलौना- ट्रक ....!

मैंने माँ से वादा किया, ''मैं केवल खिलौने छू कर देखूँगा।

आज मै खिलौने नहीं माँगूंगा।

बस अपने जन्मदिन पर एक खिलौना लूँगा।''

राई तेल
शेंग दाणा तेल
पाम तेल

हमने क्या किया, कहाँ गये थे, क्यूँ वगैरह बताने में बच्चों को बहुत मज़ा आता है। यह बच्चा भी उत्सुक है बाज़ार जाने के बारे में बताने के लिए।

ऐसे ही बच्चों के अनुभव कुछ और किताबों में आपको पढ़ने को मिलेंगे।

चलो किताबें खरीदने	**घर जाना है**
चाचा की शादी	**हमारी बालवाड़ी**

अनेक भारतीय भाषाओं में हमारी रोचक किताबों के बारे में और जानकारी के लिए www.prathambooks.org पर लॉग ऑन करें।
हमारी किताबें अंगेजी, हिन्दी, तमिल, तेलुगू, कन्नड, मराठी, गुजराती, बाँग्ला, पंजाबी, उर्दू व ओड़िया भाषाओं में उपलब्ध हैं।

PRATHAM BOOKS

प्रथम बुक्स भारतीय भाषाओं में वाजिब दामों व अच्छे स्तर की पुस्तकें प्रकाशित करने वाली गैर मुनाफ़ा प्रकाशन संस्था है।

ISBN 81-8263-050-9
9 788182 630505

Age Group : 3-6 years
Hum Bazar Gaye (Hindi)
MRP Rs. 15.00